Worksheet for Subject- Sanskrit Class-VI Topic –Karak

1. कर्ता कारक (0, ने)

जो क्रिया करता है, उसे 'कर्ता कारक' कहते हैं। इसके चिह्न '0' और 'ने' हैं। शून्य से तात्पर्य है–'ने' चिह्न का अभाव। जैसे—

- वह जाता है—सः गच्छति। ('0' चिहन)
- राम ने रावण को मारा–रामः रावणं हतवान् ('ने' चिह्न)।

2. कर्म कारक (0, को)

जिस पर किया का असर पड़े 'कर्म कारक' कहलाता है। जैसे- राम ने **रावण को** मारा। इस वाक्य में '**रावण**' कर्म है।

3. करण कारक (से/द्वारा)

जिस साधन से काम किया जाय, 'करण कारक कहलाता है। जैसे—रामः **वाणेन** रावणं हतः। राम ने **बाण से** रावण को मारा। इस वाक्य में 'बाण' करण कारक है।

4. सम्प्रदान कारक (को/ के लिए)

जिसके लिए काम किया जाय, 'सम्प्रदान कारक कहलाता है। जैसे—वह **मिठाई के लिए** बाजार गया। सः **मोदकाय** हट्टंगतः। इस वाक्य में 'मिठाई' सम्प्रदान कारक हुआ।

5. अपादान कारक (से)

जिससे अलग होने का बोध है। जैसे-**वृक्ष से** पत्ते गिरते हैं। **वृक्षात्** पत्राणि पतन्ति। इस वाक्य में 'वृक्ष' अपादान का उदाहरण है।

6. सम्बन्ध कारक (का-के-की-ना-ने-नी-रा-रे-री)

जिससे कर्ता का संबंध है। जैसे- **राजा का** पत्र आया। **नृपस्य** पत्रः

6. सम्बन्ध कारक (का-के-की-ना-ने-नी-रा-रे-री)

जिससे कर्ता का संबंध है। जैसे- **राजा का** पुत्र आया। **नृपस्य** पुत्रः आगतः . इस वाक्य में 'राजा' संबंध कारक हुआ।

7. अधिकरण कारक (में/पर)

जहाँ या जिसपर क्रिया की जाय, 'अधिकरण कारक कहलाता है। जैसे- **पेड़ पर** बन्दर रहते हैं। **वृक्षे** वानराः निवसन्ति । इस वाक्य में 'वृक्ष' अधिकरण कारक हुआ।

8. संबोधन कारक प्रायः कर्ता ही होता है।

जिस शब्द से किसी को पुकारा या बुलाया जाए उसे सम्बोधन कारक कहते हैं। जैसे – हे राम ! यह क्या हो गया। इस वाक्य में 'हे राम!' सम्बोधन कारक है, क्योंकि यह सम्बोधन है।